

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

संख्या–249/2026

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल से श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, आपदा प्रबंधन पर हुई चर्चा

पटना 21 नवम्बर, 2026 :– श्रीलंका के कोलंबो विश्वविद्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटी, पटना के संकाय सदस्यों के साथ आज बिहार के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) से बिहार लोक भवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

आईआईटी, पटना द्वारा 17 से 21 नवंबर, 2026 तक 'शहरी पर्यावरणीय स्थिरता के लिए भू–स्थानिक प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय भारत–श्रीलंका कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसी क्रम में प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिलने पहुंचा था। 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. एल. मनावुडु ने किया। प्रतिनिधिमंडल में श्रीलंका के आठ वरिष्ठ शिक्षाविदों तथा आईआईटी पटना के संकाय सदस्य शामिल थे।

इस दौरान राज्यपाल ने श्रीलंका में भारतीय शांति सेना के साथ अपनी तैनाती के अनुभव साझा किए।

राज्यपाल ने चक्रवात, हिमस्खलन, भूस्खलन, बाढ़ एवं आकाशीय बिजली जैसी विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि आपदा से निपटने की तैयारी के साथ–साथ पूर्व चेतावनी प्रणाली, त्वरित संचार व्यवस्था तथा आम लोगों तक सरल एवं समझने लायक भाषा में समय पर सूचना पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। इससे जान–माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

उन्होंने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग का उल्लेख करते हुए मौसम पूर्वानुमान एवं विशेषकर बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में चक्रवात की भविष्यवाणी की क्षमता में हुए उल्लेखनीय सुधार की सराहना की। उन्होंने कहा कि समय पर पूर्वानुमान और प्रभावी तैयारी के कारण चक्रवात से होने वाली जनहानि में काफी कमी आई है। हालाँकि, उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में और प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भूकंप की पूर्व चेतावनी एवं भविष्यवाणी आज भी एक बड़ी वैज्ञानिक चुनौती है।

आगे पृष्ठ.....02 पर

राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन में बहुआयामी दृष्टिकोण के महत्व पर बल देते हुए कहा कि जहाँ प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है, वहीं सामाजिक विज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनविश्वास कायम करने, सूचनाओं की विश्वसनीयता बढ़ाने तथा लोगों को आपदा के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाने में सामाजिक वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान के समन्वय पर आधारित समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने बिहार के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक महत्व का उल्लेख करते हुए बिहार को भारत की सभ्यतागत राजधानी बताया। उन्होंने बिहार के प्रसिद्ध आम और लीची का उल्लेख करते हुए प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की गौरवशाली विरासत को याद किया, जो कभी विश्व का एक प्रमुख ज्ञान केंद्र था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि नया नालंदा विश्वविद्यालय पुनः अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहाँ श्रीलंका के विद्यार्थी भी अध्ययन कर रहे हैं।

राज्यपाल ने जैन एवं बौद्ध धर्म से बिहार के गहरे संबंध, ऐतिहासिक वैशाली के महत्व तथा सिख धर्म के पवित्र स्थलों में से एक तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की आध्यात्मिक महत्ता पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किए।

.....